This question paper contains 2 printed pages. **May-June, 2024**

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121303404**
Title of the Paper	**:**	**दशरूपक एवं संस्कृत काव्यशास्त्र का सर्वेक्षण**
		Daśarūpaka & Survey of Sanskrit Poetics
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit, LOCF**
Type	**:**	**OEC**
Semester	**:**	**IV**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए: 7X4=28

   Explain the following:

   i. प्रासङ्गिकं परार्थस्य स्वार्थो यस्य प्रसङ्गतः।
   सानुबन्धं तुल्यसंविधानविशेषणम् ॥

   अथवा/OR

   द्वेधा विभागः कर्तव्यः सर्वस्यापोह वस्तुनः।
   सूच्यमेव भवेत् किञ्चिद् दृश्यश्रव्यमथापरम् ॥

   ii. ज्येष्ठमध्याधमत्वेन सर्वेषां च त्रिरूपता।
   तारतम्याद् यथोक्तानां गुणानां चोत्तमादिता ॥

   अथवा/OR

   पताकानायकस्त्वन्यः पीठमर्दो विचक्षणः।
   तस्यैवानुचरो भक्तः किञ्चिदूनश्च तद्गुणैः ॥

   iii. भारती संस्कृतप्रायो वाग्व्यापारो नराश्रयः।
   भेदैः प्ररोचनायुक्तैर्वीथीप्रहसनामुखैः ॥

अथवा/OR

भाणवत् सन्धिवृत्त्यङ्गैर्युक्तः स्त्रीपरिदेवितैः ।
वाचा युद्धं विधातव्यं तथा जयपराजयौ ॥

iv. पृथग्भावा भवन्त्यन्येऽनुभावत्वेऽपि सात्त्विकाः ।
सत्त्वादेव समुत्पत्तेस्तच्च तद्भावभावनम् ॥

अथवा/OR

स्वादः काव्यार्थसम्भेदादात्मानन्दसमुद्भवः ॥
विकासविस्तरक्षोभविक्षेपैः स चतुर्विधः ।

2. अधोलिखित पर टिप्पणी लिखिए, जिनमें से **एक संस्कृत** में अवश्य हो : 5+5+5+7= 22
Write short note on the following, in which **one** must be in **Sanskrit**

क) प्रवेशक **अथवा/OR** धीरललित नायक

ख) निर्वेद **अथवा/OR** शृंगाररस

ग) औचित्यसिद्धान्त के संस्थापक आचार्य **अथवा/OR** ध्वन्यालोक का प्रतिपाद्य

घ) दण्डी **अथवा/OR** रुय्यक

3. कार्यावस्था क्या है? नाट्य में इसके विभागों का महत्त्व सोदाहरण स्पष्ट करें । 10
What is Kāryāvasthā? Explain with examples its divisions and their importance in drama.

अथवा/OR

रसनिष्पत्ति के अंगों पर प्रकाश डालते हुए धनिक–धनञ्जय की रसनिष्पत्ति की प्रक्रिया समझाएँ।
Explain the process of Rasaniṣpatti of Dhanika-Dhananjay by throwing light on the limbs of Rasaniṣpatti.

4. रीतिसिद्धान्त अथवा अलंकारसिद्धान्त के उद्भव और विकास पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए। 10
Write a concise essay on the origin and development of Rīti Siddhānta or Alankara Siddhānta.